Greenlawns School, Worli

द्वितीय सत्रीय पुनरावलोकन (२०२५-२६)

हिंदी

कक्षा :- आठवीं **पूर्णांक:-** ८०

दिनांक - २६ .०२.२६ **समय:- २ १/२घंटे**

सूचना :- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

शुद्ध भाषा एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित हैं।

विभाग - अ (अंक - ४०)

भाषा - विभाग

प्र.१) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए। (१५)

१. **काम को कल पर टालने से मन का भारीपन बढ़ता है जबकि कल करनेवाले काम को आज ही पूरा कर लेने से हमारी कार्यक्षमता बढ़ती है और मानसिक संतोष भी प्राप्त होता है। इसे स्पष्ट करते हुए बताइए कि एक विद्यार्थी के लिए समय का क्या महत्व है**
२. **'समाज में महिलाओं को आज भी कष्ट सहने पड़ते हैं।' इस कथन के पक्ष अथवा विपक्ष में अपने विचार लिखिए।**
३. **'एक कंप्यूटर की आत्मकथा'**
४. **'एक गंदी मछली सारे तालाब को गंदा कर देती है।'इस लोकोक्ति के आधार पर एक मौलिक कहानी लिखिए।**

५. नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और उसके आधार पर कोई घटना, कहानी या लेख लिखिए जिसका सीधा संबंध चित्र से होना चाहिए:-

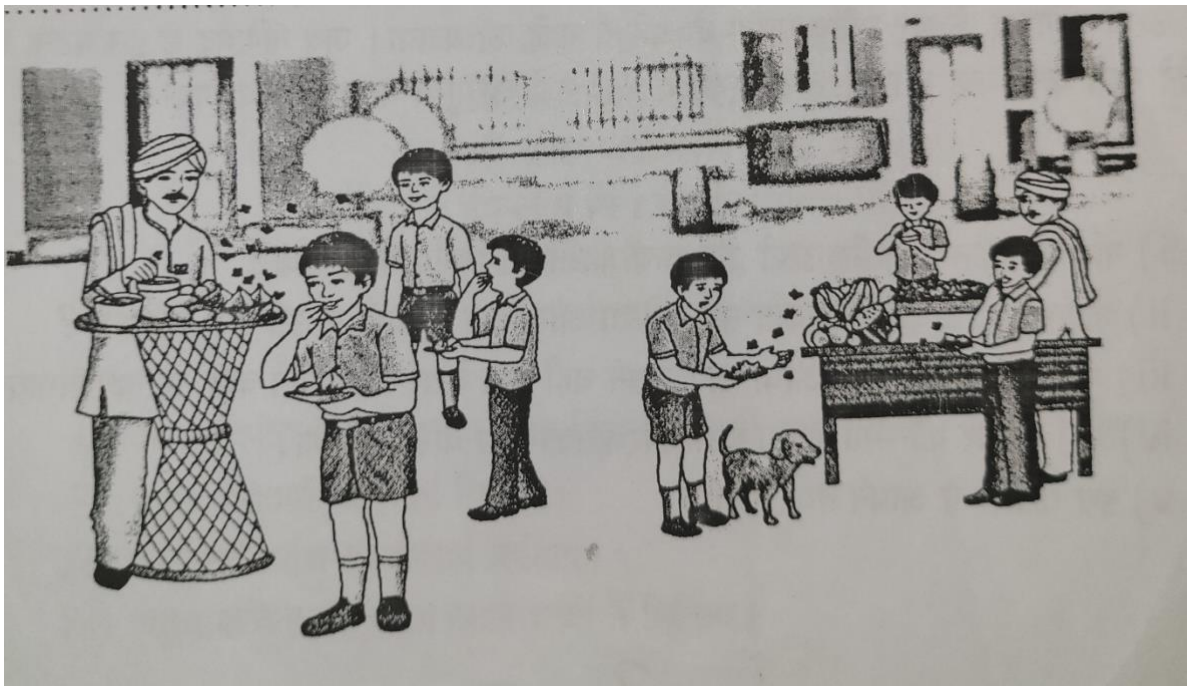

प्र. २)निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए:- (लिफाफा आवश्यक) (७)

आपके इलाके में एक उद्यान है, जिसमें पेड़- पौधों की संख्या भी कम हैं एवं वरिष्ठ नागरिकों के बैठने के लिए उचित व्यवस्था भी नहीं है। उद्यान के रखरखाव एवं व्यवस्था का अनुरोध करते हुए महानगरपालिका के अध्यक्ष को पत्र लिखिए।

अथवा

आपके बड़े भाई की सलाह के अनुसार आपने नियमित योगासन और प्राणायाम का अभ्यास शुरू कर दिया है जिसका सुखद परिणाम आपके स्वास्थ्य पर पड़ रहा है।इसकी जानकारी देते हुए अपने भाई को एक पत्र लिखिए।

प्र.३) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए।

पाटलिपुत्र में मणिभद्र नामक एक सेठ रहता था। दुर्भाग्य से वह निर्धन हो गया। निर्धनता से विवश सेठ एक दिन सोचने लगा कि धनहीन व्यक्ति का जीवन निरर्थक है क्योंकि तब सदाचार, क्षमा, उदारता जैसे गुण भी मात्र अवगुण बनकर रह जाते हैं। समाज तथा परिवार में उसका कोई मान-सम्मान नहीं रह जाता। ऐसी परिस्थिति से खिन्न होकर अपनी जीवन-लीला समाप्त करने का निर्णय लेकर वह सो गया।

अर्धरात्रि में सेठ ने एक विचित्र सपना देखा। सपने में पद्मनिधि बौद्ध संन्यासी के रूप में आकर उससे बोले-"हे सेठ! विषम समय हिम्मत हारने के लिए नहीं बल्कि डटकर मुकाबला करने के लिए होता है। धीर पुरुष इस प्रकार जीवन से विरक्त नहीं होते। मैं प्रातः काल इसी रूप में तुम्हारे घर आऊँगा। तुम मेरे सिर पर डंडे से प्रहार करना जिससे मैं सोने का बन जाऊँगा और तुम अमीर बन जाओगे।" प्रातःकाल ठीक वैसा ही हुआ। पद्मनिधि संन्यासी के रूप में जैसे ही उपस्थित हुए तो सेठ ने प्रसन्न होकर उनके सिर पर प्रहार किया। पद्मनिधि तत्काल सोने के होकर गिर पड़े। इस सारे घटनाक्रम को एक नाई देख रहा था जो सेठजी के बाल काटने आया था ।नाई ने इससे अनुमान लगाया कि हर संन्यासी के सिर पर प्रहार करने से वह सोने का हो जाता है।

अगले दिन ही वह नाई बौद्ध विहार स्थल गया और वहाँ उसने प्रधान संन्यासी से पुस्तकें बाँधने योग्य रेशमी वस्त्र तथा पुस्तकें खरीदने के लिए धन स्वीकार करने के लिए विनम्रतापूर्वक आग्रह किया। इन दोनों वस्तुओं की लालच में सारे संन्यासी नाई के घर जा पहुँचे। नाई ने उनको घर में बंद करके डंडे से मारना शुरू कर दिया। इसकी वजह से बहुतों को जान से हाथ धोना पड़ा और बहुत से बौद्ध संन्यासियों के सिर फूटे। इस अपराध में जब नाई को न्यायालय में

उपस्थित किया गया तो उसने मणिभद्र के घर घटित घटना के बारे में सभी को बताया। जब मणिभद्र से इस घटना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने सारी कथा कह सुनाई। कथा सुनने के बाद नाई को सूली पर चढ़ा दिया गया।

प्रश्न:

i) मणिभद्र कौन था और उसने आत्महत्या करने का निर्णय क्यों लिया? (२)

ii) मणिभद्र ने अर्धरात्रि में क्या सपना देखा और बौद्ध संन्यासी ने उसे क्या शिक्षा दी? (२)

iii) नाई सेठ के घर क्यों आया था? उसने वहाँ क्या देखा और उसने क्या अनुमान लगाया ? (२)

iv) नाई के घर कौन-सी घटना घटी और इसका क्या परिणाम हुआ? (२)

v) इस गद्यांश से आपने क्या सीखा? (२)

प्र.४) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए: - (८)

१. 'यश' का उचित पर्यायवाची शब्द बताइए:

a) यशस्वी - प्रसिद्ध

b) कीर्ति - ख्याति

c) कृति - सृजन

d) कांति- प्रभा

२. 'दरिद्र' का विलोम बताइए:

a) संपन्नता

b) संपत्ति

c) संपन्न

d) सपन्न

३. 'दूसरे के काम में दखल' इस वाक्यांश के लिए एक शब्द बताइए:

a) हस्त

b) हस्त मिलाप

c) हस्ताक्षर

d) हस्तक्षेप

४. 'मुट्ठी गरम करना' मुहावरे का अर्थ बताइए:

a) ठंडी में गरमी लगना

b) हाथ सेंकना

c) रिश्वत लेना

d) आग जलाना

५. 'कार्यकर्म' शब्द का शुद्ध रूप बताइए :

a) कार्यक्रम

b) कार्डक्रम

c) कार्यकम

d) कार्याक्रम

६. निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए:

'बच्चों को शुद्ध भैंस का दूध पिलाइए।' इस वाक्य का शुद्ध रूप बताइए:

a) बच्चों को शुद्ध भैंसा का दूध पिलाइए।

b) बच्चों को भैंस का शुद्ध दूध पिलाइए।

c) बच्चों को शुद्ध करके गाय का दूध पिलाइए।

d) बच्चियों को भैंस का शुद्ध दूध पिलाइए।

७. निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए:

'पक्षी उड़ गए।' इस वाक्य का वचन परिवर्तन कीजिए।

a) पक्षियों उड़ गए।

b) पक्षियाँ उड़ गए।

c) पक्षी उड़ गया।

d) पक्षी उड़ने वाला है।

८. निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए:

'पुजारी ने सेठ को प्रसाद दिया।' इस वाक्य का लिंग परिवर्तन कीजिए।

a) पुजारियों ने सेठ को प्रसाद दिया।

b) पुजारिन ने सेठ से प्रसाद लिया।

c) पुजारिन ने सेठानी से प्रसाद लिया।

d) पुजारिन ने सेठानी को प्रसाद दिया।

विभाग ब (अंक - ४०)

साहित्य - विभाग

प्र.५ निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

विजय मिली, पर अंग्रेज़ों की फिर सेना घिर आई थी,
अब जनरल स्मिथ सम्मुख था, उसने मुँह की खाई थी।
काना और मंदरा सखियाँ रानी के संग आई थीं,
युद्ध क्षेत्र में उन दोनों ने भारी मार मचाई थी।

पर पीछे ह्यूरोज़ आ गया, हाय ! घिरी अब रानी थी।
बुंदेले हरबोलों के मुँह, हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो, झाँसीवाली रानी थी।

प्रश्न:

१. प्रस्तुत पंक्तियों से क्या प्रेरणा मिलती है ? आप अपने देश के लिए क्या करेंगे ? (२)

२. शब्दार्थ लिखिए :- सम्मुख, कहानी, विजय, युद्ध (२)

३. प्रस्तुत पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। (३)

४. प्रस्तुत कविता की कवयित्री का परिचय दीजिए । (३)

प्र. ६ निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखकर प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

वीरों को बनाने के कारखाने कायम नहीं हो सकते।

प्रश्न:

१. शब्दार्थ लिखिए :- बागी, अचल, तिरस्कार, अरण्य (२)

२. सच्चे वीरों के निर्माण के लिए कारखाने क्यों नहीं बनाए जा सकते ? (२)

३. वीर पुरुषों की विशेषताएँ लिखिए । (३)

४. अलग- अलग क्षेत्रों के वीरों के नाम लिखिए। आपने इस पाठ से क्या सीखा ? (३)

प्र. ७ निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

"इसीलिए मैं कहता हूँ कि अपनी संतान के लिए सोच करना वृथा है। यदि तुम इनसे प्रेम करने लगो , तो तुम्हें ये अपनी ही संतान प्रतीत होने लगेंगे।"

प्रश्न:

१. शब्दार्थ लिखिए :- शुष्क, सहिष्णुता , ढकोसला , वृथा (२)

२. वक्ता का परिचय दीजिए। (२)

३. 'इनसे' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है उनके बारे में जानकारी दीजिए। श्रोता के दुख का कारण समझाइए। (३)

४. क्या श्रोता उन्हें अपनी संतान मानने लगी ? यदि हाँ , तो क्यों ? समझाकर लिखिए। (३)

प्र.८ निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

एक दिन गोनू झा ने पंचायत बुलाई। गणमान्य लोग उपस्थित हुए।

प्रश्न :

१.शब्दार्थ लिखिए :- गणमान्य , तगादा , अज़ीज़, फरियाद (२)

२. अपने मित्र की चार विशेषताएँ लिखिए। (२)

३. गोनू झा की क्या – क्या विशेषताएँ थी ? पंचायत से गोनू झा से क्या फरियाद की ? (३)

४. 'झूठ का सच' इस कहानी का संदेश लिखिए। (३)

---------- समाप्त----------